1949C On Celebration of anniversaries

भुयम उगर दाम पूर्व

Published in Veer

(what - et courses Ragin emal) VIA ATENTOr you she unfor ex Emminad ust woor & A a sout at gour af site sof us in there as BLAT KI ART FING FIR & I SATETISTAT, ATTACH 3. 12 516 (काम करी हैं,) नहां दशाताझान मा प्रमुखण उनेर रक्षा बंदात आ? दार्म पर्व हैं। (पूज्य प्रवी में आग्रेक, प्रजन, रातन, मंग्रेत अगरि मान रहती , प्राय नर्मन कार्यने में अधानता रहती है, तो उसी-पर्वों में अन्तरातार काय नयों हे लाज अगता- ति रीक्तार. प्रतिम्मण, तत्त्व- चिन्तन, जनन और उनाम क्रादि द्रा द्रारे हे अभ्यात, दारहर, पात्मन आर्रिसी प्रधानना (हमी नागह्ए) अगियेक, जनकार जलं (प्रम्य कार्म जहां अग्नेप्योग के कारक हैं, अनेताक के अपिक स्वर्गाहिक साप दे मकते हैं, तो बाहा उती אהות העודהו הרגות, עם אואוז לא באלי גו בחצטו- נותה साक्षात् शुद्धोधयोग हे सारा हें, अतः उदनल मंता क परी भुमार का अन्यूलन का अजा, अभा, दिाव- छल के ला च्यूहरे पुन्य संस्ता का कारा हे, आं दाम मेक्स कारा हे, यह uniter the Fort star to at the the Runt -000 1

रांग्रे - पुण्य को लंतार का कारण के के करा कु ताम-उधरिट का एका तो मोझ का कर्म करते जाता गया है ? सभाषता - एका कार्य करते ही आरोप मोपले जा है , आरोप गोग को आत्तों के एका इन्हारी मों के उगता का करटा कहा है 1 के उगता के लंतार का कारण है, उता वर मोहा का कारण करने हैं लकता है ? तामार कि का पुण्य मोहा का कारण करने हैं, लिन आत्का सम्मार्टि का पुण्य मोहा का कारण कर्न है , किन आत्का सम्मार्टि का पुण्य मोहा का कारण कर्न है , किन आत्का सम्मार्टि का पुण्य मोहा का कारण कर्न है , किन आत्का का मानगर कि का ता का का प्रा कारण कर्न के का का सम्मार्ट्र का का का का का का का कारण ही 1360 - पुण्य का इसी (हस्व को आराजन - इनका की बहत जिस्त प्रार्थ में ज्यक कि का है : -

मेनंशेन सुरुष्टि स्नेनंत्रीना एम बंधनं नगति । मेनंशेन तु रागस्तेगंशेना स्य बंधनं भवति " अर्थन् – स्टांग्यार्थर जिलने अंशाते सम्लब्ध्यत्व त्लार्थे , उत्ते अंशाहे जान्ये कर्त्र केंग्रज्ञ नहीं होला , सिन्द जिल्ले अंशाये राग

रहता है, उत्र अंशसे तो उत्तरे कर का बंधन होता ही है। बड़े कारोर अप बाद कार के दूस लाइका वर्षको मनान करने अपने साफ्तारी बर्द्युओं में मेरा नम् निवेदत है। दे वे पुरुष-पर 3री कापिती इस मानित अन्तर की कि जिस्ते अपित पर का देतिर कापका इस एक्स का रहते छि-जिस्ते अपित, के अधिक कापका सा एक्स का की कि जिसे अपित क हो कि हम सापकां में ही यहक आये और अतीम्ट मिरन्न की मदा के लिए वंग्लिस हा जायें 1